**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 2032**

**उत्तर देने की तारीखः 28.07.2014**

**गरीब छात्रों के लिए आईआईटी कोचिंग**

**2032. श्री नरेन्द्र कुमार कश्यपः**

**क्या** मानव संसाधन विकास मंत्री **यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार का समाज के गरीब परिवारों या आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित आईआईटी उम्मीदवारों हेतु प्रशिक्षण/कोचिंग केन्द्र शुरू करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

मानव संसाधन विकास मंत्री

**(**श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) **:** **जी, नहीं।**

(ख) **: प्रश्न नहीं उठता।**

(ग) **: सरकार का लक्ष्य स्कूलों में गणित और विज्ञान में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का है ताकि आईआईटी के आकांक्षी छात्रों की अकादमिक बुनियाद को सुदृढ़ किया जा सके।**

**हालांकि गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कोई कोचिंग कक्षाएं नहीं हैं तथापि, अनूसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (जिसमें अधिकतर गरीब हैं) के प्रतिभाशाली सामाजिक-शैक्षिक रूप से पिछड़े ऐसे छात्रों के लिए उपचारी कक्षाएं चलाई जाती हैं, जो आईआईटी के अवर स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला** नहीं ले पाए **परंतु जिन्हें छूट दिए गए मांनदंडों, जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए सामान्य कट-ऑफ का 50**% **है, आईआईटी की तैयारी कक्षाओं में दाखिला दे दिया जाता है। तैयारी पाठ्य-क्रम जो गणित, विज्ञान और अंग्रेजी पर बल देता है, को सफलतापूर्वक पूरा करने के पश्चात् ऐसे छात्रों को सीधे अवर स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले का ऑफर दिया जाता है।**

\*\*\*\*\*